जेवर हवाई अड्डा अगले माह से शुरू होगा: योगी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में 2017 के पहले और अब के उत्तर प्रदेश के विकास की तस्वीर दिखाते हुए कहा कि यूपी का 5वां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (जेवर) जो भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा, अगले महीने से संचालित होने जा रहा है। यह प्रदेश के विकास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में महज डेढ़ एक्सप्रेस-वे थे, जबकि अब प्रदेश में 22 एक्सप्रेस-वे हैं। प्रदेश की जीएसडीपी वर्ष 2012-16 के दौरान लगभग ₹12.88 लाख करोड़ थी, जो आज बढ़कर ₹35-36 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच रही है। प्रति व्यक्ति आय ₹43,000 से बढ़कर ₹1,20,000 के करीब पहुंच गई है।

थर्ड डिवीजन को बनाया आयोग का अध्यक्ष: मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी-बड़ी बातें करना समाजवादी पार्टी का अहंकार है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले शिक्षा और भर्ती आयोगों में कथित गड़बड़ियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हाई स्कूल और इंटरमीडिएट में थर्ड डिवीजन पाने वाले लोगों को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया, जिससे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ।

न कर्फ्यू न दंगा, यूपी में सब चंगा: योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले और बाद के यूपी का अंतर जनता देख रही है। अब प्रदेश के भीतर या बाहर जाने पर लोग स्वयं कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर माहौल है, दंगे नहीं हैं, अराजकता नहीं है। न कर्फ्यू न दंगा, यूपी में सब चंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पहली इन्वेस्टर्स समिट करवाई तो कोई निवेशक आना ही नहीं चाहता था। अब निवेश प्रस्ताव आ रहे हैं।

पूर्ववर्ती सरकारों में योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रहीं: मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रहीं। जेपीएनआईसी और गोमती रिवरफ्रंट इसके उदाहरण हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को 15200 करोड़ के बजाए 11800 करोड़ में पूरा किया गया।

जीबीसी जल्द होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक जमीनी स्तर पर उतर चुके हैं। वहीं, 7 लाख से अधिक युवाओं को सीधे रोजगार मिला है। 5 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के लिए तैयार हैं।

सबको योजनाओं का लाभ

वेलफेयर योजनाओं पर मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सरकार ने कभी चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ नहीं दिया। आवास, राशन, उज्ज्वला गैस, आयुष्मान कार्ड और मुख्यमंत्री राहत कोष हर योजना बिना भेदभाव लागू की गई है। सूची में उन गरीबों को भी जोड़ा गया, जिन्हें पहले वंचित रखा गया था। आयुष्मान से गरीब को लाभ मिल रहा है।

पूर्व सरकारों पर हमला बोला

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रहीं। जेपीएनआईसी और गोमती रिवरफ्रंट इसके उदाहरण हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे ईश्वर की कृपा थी कि हमने जब मूल्यांकन कराया तो 15200 करोड़ के बजाये 11800 करोड़ में पूरा किया गया। प्रोजेक्ट कम लागत में, बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए गए।